



Issue 25 - January / जनवरी - 2025

कृषक सारथी

Monthly Newsletter of
KRISHAK BHARATI COOPERATIVE LIMITED

New Year, New Horizons

Cultivating Progress & Sustainability in Agriculture



2025



2025 International Year
of Cooperatives

For Internal Circulation only

Message from the DIRECTOR (MARKETING)

Dear Cooperators,

Welcome to the 25th edition of Krishak Saarathi! As we enter 2025 with renewed energy, we remain committed to fostering growth, innovation, and prosperity in agriculture and the cooperative sector, guided by our mission of "Sahkar Se Samriddhi".

This year began with key developments, including Union Home & Cooperation Minister Shri Amit Shah's review meeting on the National Cooperative Organic Limited (NCOL), stressing the importance of linking PACS to the organic mission and ensuring fair pricing for farmers.

KRIBHCO was recognized at the FAI Annual Seminar and received an award for High Quality Production, Promotion and Marketing of Biofertilizers, Organic Fertilizers, and City Compost. The organization was also recognized for the video film "Apni Mitti, Apna Paani, Apna Bhavishya". Additionally, KRIBHCO was recognized at the PRSI National Awards 2024, winning 1st place for Best Newsletter (Hindi) and 2nd place for Best Organizational Effort for Atmanirbhar Bharat.

We also launched Zinc EDTA 12% in collaboration with Anya Polytech & Fertilizers Ltd., marking a significant step towards enhancing soil health and productivity. Our KRIBHCO Day celebration on December 21st, 2024, was a vibrant showcase of unity and creativity. On January 5th, we held a Special General Meeting at the NCUI Auditorium, bringing together esteemed dignitaries and leaders.

I extend my heartfelt thanks to all our cooperators for your continued dedication and support. Together, let's make 2025 a remarkable year for the cooperative movement and the farming community.



V. S. R. Prasad
Director (Marketing), KRIBHCO

EDITOR'S DESK



Dear Readers,

Welcome to the 25th edition of Krishak Saarathi as we embrace 2025 with hope and new opportunities. We reflect on the past year's achievements and look forward to advancing the cooperative and agricultural sectors.

KRIBHCO began the year with the Kavi Hasya Sammelan, a joyful event that brought together employees and senior management, setting a positive tone for the year ahead.

This edition provides insights into February's seasonal farming practices and expert guidance through our Krishi Kary initiative, aimed at enhancing productivity for the upcoming season.

Thank you for your continued support. Wishing you a prosperous New Year!



Dr. Vinod Kumar Tiwari
Jt. GM (Marketing & PR) KRIBHCO



Editorial Board

Sh. V. S. R. Prasad, Director (Mktg)
Chairman

Dr. V. K. Tiwari, Jt. GM (Mktg & PR)
Chief Editor

Sh. Sharvan Kumar, DGM (Mktg)
Member (FAS)

Sh. Devisht Agarwal, DM (MS)
Member IT and Technical

Sh. Guruprasad Hiremath, DM (Mktg)
Editing, Design and Circulation

Sh. Mohit, DM (Mktg)
Member-Industry updates

Sh. Manoj Reddy, AM (Mktg)
Member-Cooperative



Ministry News

NOCL की समीक्षा बैठक: ऑर्गेनिक खेती को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम।

नई दिल्ली, 1 जनवरी 2025 - केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने नई दिल्ली स्थित सहकारिता मंत्रालय में नेशनल कॉपरेटिव ऑर्गेनिक लिमिटेड (NCOL) की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक में सहकारिता राज्यमंत्री श्री मुरलीधर मोहोले, सहकारिता मंत्रालय के सचिव श्री आशीष कुमार भूटानी, सहकारिता मंत्रालय के अपर सचिव श्री पंकज बंसल, NCOL के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री मिनेश शाह और नाबार्ड के अध्यक्ष श्री शाजी के. वी. सहित मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

PACS का ऑर्गेनिक मिशन से जोड़ने पर जोर

बैठक को संबोधित करते हुए श्री अमित शाह ने कहा कि देश की सभी प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (PACS) को ऑर्गेनिक मिशन से जोड़कर ऑर्गेनिक उत्पादों को बढ़ावा देने का व्यापक अभियान चलाया जाना चाहिए। उन्होंने ऑर्गेनिक उत्पादों की शुद्धता और उनके स्रोत की विश्वसनीयता पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता पर बल दिया।

‘भारत ऑर्गेनिक्स’ ब्रांड को मजबूत करने की पहल

NCOL को अपने ‘भारत ऑर्गेनिक्स’ ब्रांड के तहत किसानों से ग्राहकों तक प्रमाणिक जैविक उत्पादों की मजबूत आपूर्ति श्रृंखला तैयार करनी चाहिए। श्री शाह ने कहा कि ग्राहकों को शुद्ध प्रमाणित जैविक उत्पाद उपलब्ध कराने के लिए प्रत्येक ‘भारत ऑर्गेनिक्स’ उत्पाद के बैच का अनिवार्य परीक्षण सुनिश्चित किया जाना चाहिए। उन्होंने अमूल डेयरियों और राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (NDDB) से जुड़े किसानों को भी ऑर्गेनिक खेती के लिए प्रोत्साहित करने की बात कही।

ऑर्गेनिक उत्पादों के उचित मूल्य निर्धारण पर चर्चा

केंद्रीय मंत्री ने किसानों को उनके ऑर्गेनिक उत्पादों के बदले उचित मूल्य दिलाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने सुझाव दिया कि NCOL और सहकारिता मंत्रालय को अमूल के साथ बैठक कर ऑर्गेनिक आटे और ऑर्गेनिक अरहर दाल के दामों को इस प्रकार निर्धारित करना चाहिए जिससे किसानों को अधिक

लाभ हो और वे जैविक खेती की ओर अधिक आकर्षित हों। उन्होंने कहा कि एक बार किसानों को अधिक लाभ मिलने की शुरुआत हो जाएगी तो निश्चित रूप से जैविक खेती को प्रोत्साहन मिलेगा।

मार्केटिंग और जागरूकता बढ़ाने की अपील

श्री अमित शाह ने कहा कि ऑर्गेनिक उत्पादों की प्रभावी मार्केटिंग से इनकी मांग देशभर में कई गुना बढ़ सकती है। उन्होंने आगामी पर्व-त्योहारों के अवसर पर ऑर्गेनिक उत्पादों को अधिक बढ़ावा देने की अपील की।

PACS को बहुआयामी केंद्र बनाने की योजना

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने निर्देश दिया कि देश के सभी PACS को कृषि उत्पादों के स्रोत, ऑर्गेनिक उत्पादों की बिक्री और बीजों की बिक्री के प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित किया जाए। इससे न केवल NCOL बल्कि नेशनल कॉपरेटिव एक्सपोर्ट लिमिटेड (NCEL) और भारतीय बीज सहकारी समिति लिमिटेड (BBSSL) जैसी राष्ट्रीय सहकारी संस्थाओं को भी बढ़ावा मिलेगा।

युवा किसानों को सहकारी समितियों से जोड़ने पर जोर

श्री शाह ने सुझाव दिया कि 2 लाख सहकारी समितियों में कम से कम एक ऐसे युवा किसान को जोड़ा जाए जो स्थानीय सहकारी ढांचे को मजबूत बनाने में अहम भूमिका निभा सके। उन्होंने PACS सदस्यों और किसानों के समुचित प्रशिक्षण की भी आवश्यकता जताई। साथ ही, उन्होंने नाबार्ड और सहकारिता मंत्रालय से मिलकर नए PACS के लिए ऐसी कार्यप्रणाली विकसित करने की अपील की जिससे प्रत्येक किसान को उसकी क्षमता के अनुरूप ऋण उपलब्ध कराया जा सके।

इस बैठक के दौरान NCOL द्वारा उत्तराखंड के किसानों से खरीदे गए धान से किसानों को 10% से 15% तक अधिक लाभ मिलने की भी जानकारी दी गई। NCOL की इस समीक्षा बैठक में लिए गए निर्णयों से देश में जैविक खेती को बढ़ावा मिलेगा, किसानों को उनके उत्पादों का उचित मूल्य मिलेगा और सहकारी समितियों की भूमिका और अधिक सशक्त होगी।

KRIBHCO Honored with Two Prestigious Awards at FAI Annual Seminar 2024

KRIBHCO was recognized at the FAI Annual Seminar and received an award for High Quality Production, Promotion and marketing of Biofertilizers, Organic Fertilizers, and City Compost. The organization was also recognized for the video film "Apni Mitti, Apna Paani, Apna Bhavishya".

The awards were received by **Shri Sunder Singh Yadav, Director (HR)**, and **Shri V. S. R. Prasad, Director (Marketing)**



Product Launch of KRIBHCO Zinc EDTA 12%

KRIBHCO, in collaboration with Anya Polytech & Fertilizers Ltd., successfully launched Zinc EDTA 12% on 17th December 2024 at Chhatrapati Sambhaji Nagar (Aurangabad, Maharashtra).

The event was graced by Chief Guest Shri Yashpal Singh Yadav, M.D., Anya Polytech & Fertilizers Ltd., along with Special Guest Dr. Pradeep Kumar, Jt. G.M., Dr. Tejinder Singh, Jt. G.M., KRIBHCO, and other senior officials.

This launch marks a significant step in providing high-quality Zinc EDTA 12%, ensuring better soil health and improved crop productivity for farmers.



KRIBHCO Shines at PRSI National Awards 2024

KRIBHCO once again proved its excellence in communication and national development at the PRSI National Awards 2024, securing top honors in key categories.

Best Newsletter (Hindi) – 1st Place

Krishak Saarathi was recognized as the best Hindi newsletter for its engaging and informative content. The award was received by Dr. Vinod Kumar Tiwari, Jt. GM, and Shri R.S. Tomar, CSM, Chhattisgarh & Odisha.



Best Organisational Effort for Aatmanirbhar Bharat – 2nd Place

KRIBHCO's unwavering commitment to self-reliant India was honored with second place in this prestigious category. Shri Raghvendra Singh Tomar, CSM, Chhattisgarh & Odisha, received the award from Dr. Nand Kumar Sai, Former MP, Chhattisgarh.



KRIBHCO Day 2024 Celebrated with Enthusiasm at KRIBHCO Bhawan

KRIBHCO celebrated its Foundation Day at KRIBHCO Bhawan, Noida with great enthusiasm. The event was graced by Dr. Chandra Pal Singh Yadav, Chairman, Shri M. R. Sharma, Managing Director, KRIBHCO, along with Directors, senior officials, employees, and their families.

The celebration featured cultural performances, including plays, singing, and dance performances. These performances added a vibrant touch to the event, highlighting the spirit of unity and creativity within KRIBHCO.



KRIBHCO Commences 2025 with a Laughter-filled Kavi Hasya Sammelan

KRIBHCO marked the beginning of 2025 with the Kavi Hasya Sammelan, a delightful evening filled with humor and joy. The event witnessed a vibrant gathering of employees, graced by the esteemed presence of Managing Director Shri M. R. Sharma and other Directors and senior management. The event, brimming with laughter and cheer, provided a refreshing and positive start to the new year.



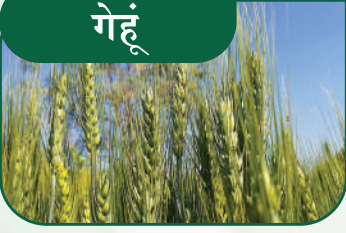
Special General Meeting at NCUI Auditorium

On January 5th, 2025, a special General Meeting convened at NCUI auditorium, attended by esteemed delegates for election of Board of Directors of KRIBHCO.



फरवरी माह के मुख्य कृषि कार्य

गेहूं



बाली निकलने के बाद हवा की गति अनुसार सिंचाई करें। मैंगनीज की कमी से पत्तियों पर पीली धारियां बनती हैं, इसे 0.5% मैंगनीज सल्फेट के छिड़काव से नियंत्रित करें। पीला रतुआ और पर्ण झुलसा रोग की रोकथाम के लिए प्रॉपीकोनेजोल 25 ई.सी. का 0.1% घोल छिड़कें।

जौ



कंडुवा रोगग्रस्त बालियों को नष्ट करें। क्षारीय मिट्टी में हल्की सिंचाई फायदेमंद है। पीला व काला रतुआ पत्तों व डंठलों पर दिखाता है। रोकथाम के लिए रतुआरोधी प्रजातियां अपनाएं और प्रति हेक्टेयर 2 कि.ग्रा. डाइथेन जेड-78 का छिड़काव करें।

शीतकालीन मक्का



रबी मक्का में 4-5 सिंचाइयां जरूरी हैं, खासकर 120-125 दिनों बाद दाना भरते समय। तनाबेधक व पत्ती लपेटक कीट नियंत्रण के लिए 2.5 मि.ली. कार्बेरिल/लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें। रतुआ व चारकोल बंट से बचाव हेतु डाइथेन एम-47 का 2-3 बार छिड़काव करें।

चना



चना की फसल में फूल आने से पहले ही सिंचाई करें, अन्यथा फूल झड़ सकते हैं। फलीछेदक कीट नियंत्रण हेतु मोनोक्रोटोफॉस, क्यूनालफॉस या स्पाइनोसैड का छिड़काव करें। झुलसा रोग से बचाव के लिए मैन्कोजेब 2 ग्राम प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।

मटर



मटर की फसल में फूल और फली बनने के समय 1-2 सिंचाई आवश्यक होती है। पाले से बचाव हेतु भी सिंचाई करें। चूर्णिल आसिता रोग होने पर सल्फरयुक्त कवकनाशी या कार्बन्डाजिम का 15 दिन के अंतराल में 2-3 बार छिड़काव करें।

मसूर



मसूर में माहू व तेलिया कीट नियंत्रण हेतु फॉस्फोमिडान (85 ई.सी.) 250 मि.ली., क्लोरोपायरीफॉस (20 ई.सी.) 750 मि.ली. या डायमिथियेट (30 ई.सी.) 500 मि.ली. को 500-600 लीटर पानी में घोलकर प्रति हेक्टेयर छिड़काव करें।

राई-सरसों



राई-सरसों की फसल में पेन्टेड बग कीट से 4-5 पत्तियों तक नुकसान होता है, 2% मिथाइल पैराथियान या 5% मैलाथियान का छिड़काव करें। माहू कीट के प्रकोप पर मैलाथियान या फॉस्फोमिडान का उपयोग करें। झुलसा रोग में कॉपर ऑक्सीक्लोराइड या जीनेब का छिड़काव करें।

सब्जी वाली फसलें

टमाटर



टमाटर की फसल में 25-30 दिनों बाद उन्नत किस्मों में 40 कि.ग्रा. नाइट्रोजन (88 कि.ग्रा. यूरिया) और संकर किस्मों में 50-60 कि.ग्रा. नाइट्रोजन (120-130 कि.ग्रा. यूरिया) की प्रथम टॉप ड्रेसिंग करें। झुलसा रोग और माहू से बचाव के लिए मैकोजेब और मोनोक्रोटोफॉस का छिड़काव करें।

प्याज



प्याज में नाइट्रोजन की 100 कि.ग्रा. मात्रा का 1/3 (72 कि.ग्रा. यूरिया) टॉप ड्रेसिंग के रूप में 30 दिन बाद करें। स्टॉम्प का 3.0-5.0 लीटर/हैक्टर खरपतवार नियंत्रण हेतु छिड़काव करें। नील लोहित धब्बा रोग के लिए ब्लाइटॉक्स 50 या डायथेन एम-45 का छिड़काव करें।

लहसुन



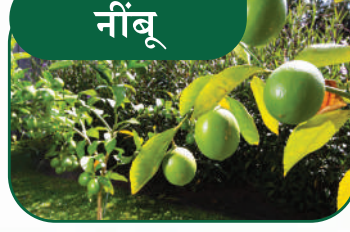
लहसुन में 60 दिनों बाद 75 कि.ग्रा. यूरिया डालकर सिंचाई करें। रोग और कीटों से बचाव के लिए मैकोजेब 2 ग्राम और फॉस्फेमिडान 0.6 मि.ली./लीटर पानी में घोलकर छिड़कें। नमी की कमी होने पर हल्की सिंचाई करें।

भिंडी



भिंडी की बुआई फरवरी के अन्तिम सप्ताह से मार्च तक करें। बीज को 12 घंटे बाविस्टीन घोल में भिगोकर 6 इंच दूरी पर पंक्तियों में बोएं। खेत की तैयारी में 10 टन गोबर की खाद, यूरिया, सिंगल सुपर फॉस्फेट, और म्यूरेट ऑफ पोटाश का प्रयोग करें। उन्नत प्रजातियां जैसे काशी लालिमा, पूसा ए-4, ए-5 प्रमुख हैं।

नींबू



नींबू के एक वर्ष के पौधे के लिए 10 कि.ग्रा. कम्पोस्ट, 25 ग्राम नाइट्रोजन, 50 ग्राम फॉस्फोरस और 25 ग्राम पोटाश का उपयोग करें। अधिक आयु के पौधे के लिए यह मात्रा बढ़ाकर 90-100 कि.ग्रा. खाद, 250 ग्राम नाइट्रोजन, 500 ग्राम फॉस्फोरस और 250 ग्राम पोटाश करें।

बागवानी फसलें

आम



आम में भुनगा कीट और पाउडरी मिल्ड्यू की रोकथाम के लिए कार्बो रिल, क्लोरोपाइरीफॉस, मोनोक्रो-टोफॉस, कैराथेन, ट्राइडेमेफान, डाइनोकेप या गंधक का छिड़काव करें। यह कीटों और रोगों से सुरक्षा प्रदान करेगा।

रजनीगंधा



रजनीगंधा के बल्बों के रोपण से 10-15 दिन पूर्व क्यारियों में 45 सें.मी. गहरी खुदाई करें। प्रति वर्ग मीटर 10 कि.ग्रा. गोबर या कम्पोस्ट खाद, 80-100 ग्राम सिंगल सुपर फॉस्फेट और पोटाश डालें।

लीची



लीची के पौधों में 1 वर्ष की आयु पर 5 कि.ग्रा. कम्पोस्ट, 50 ग्राम नाइट्रोजन, 25 ग्राम फॉस्फोरस और 25 ग्राम पोटाश उपयोग करें। यह मात्रा 10 वर्ष या उससे अधिक आयु के पौधे में क्रमशः बढ़ाएं।

ग्लैडियोलस



ग्लैडियोलस की मुरझाई हुई टहनियों को निकाल दें तथा स्पाइक के नीचे के फूल थोड़ा खिलने के बाद डंठल को काटकर विपणन हेतु भेजें। ग्लैडियोलस में आवश्यकतानुसार सिंचाई व निराई-गुड़ाई करें।

बेर



बेर के बाग को साफ रखें। फलछेदक कीट की रोकथाम के लिए मैलाथियॉन 0.5 प्रतिशत का छिड़काव करें।

गुलाब



गुलाब के सूखे फूलों को तोड़कर नए पौधे लगाएं और बडिंग करें। बसंत बहार के लिए घुली हुई खाद दें, सिंचाई व निराई-गुड़ाई करें। माहू की रोकथाम के लिए मोनोक्रोटोफॉस 0.4% का घोल छिड़कें।

"A Glimpse into KRIBHCO's New & Renovated Offices: Strengthening Farmer Support"



ANDHRA PRADESH



MAHARASHTRA



PUNJAB



WEST BENGAL



कृषक भारती कोआपरेटिव लिमिटेड
KRISHAK BHARATI COOPERATIVE LIMITED

कृषको भवन, ए-10, सैक्टर-1, नोएडा - 201301, जिला गौतमबुद्ध नगर (उ.प्र.)
KRIBHCO Bhawan, A-10, Sector-1, NOIDA - 201301, District Gautam Budh Nagar (U.P.)